पावन जीवन चरित्र

श्रीश्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज जी का जीवन चरित्र

SGD

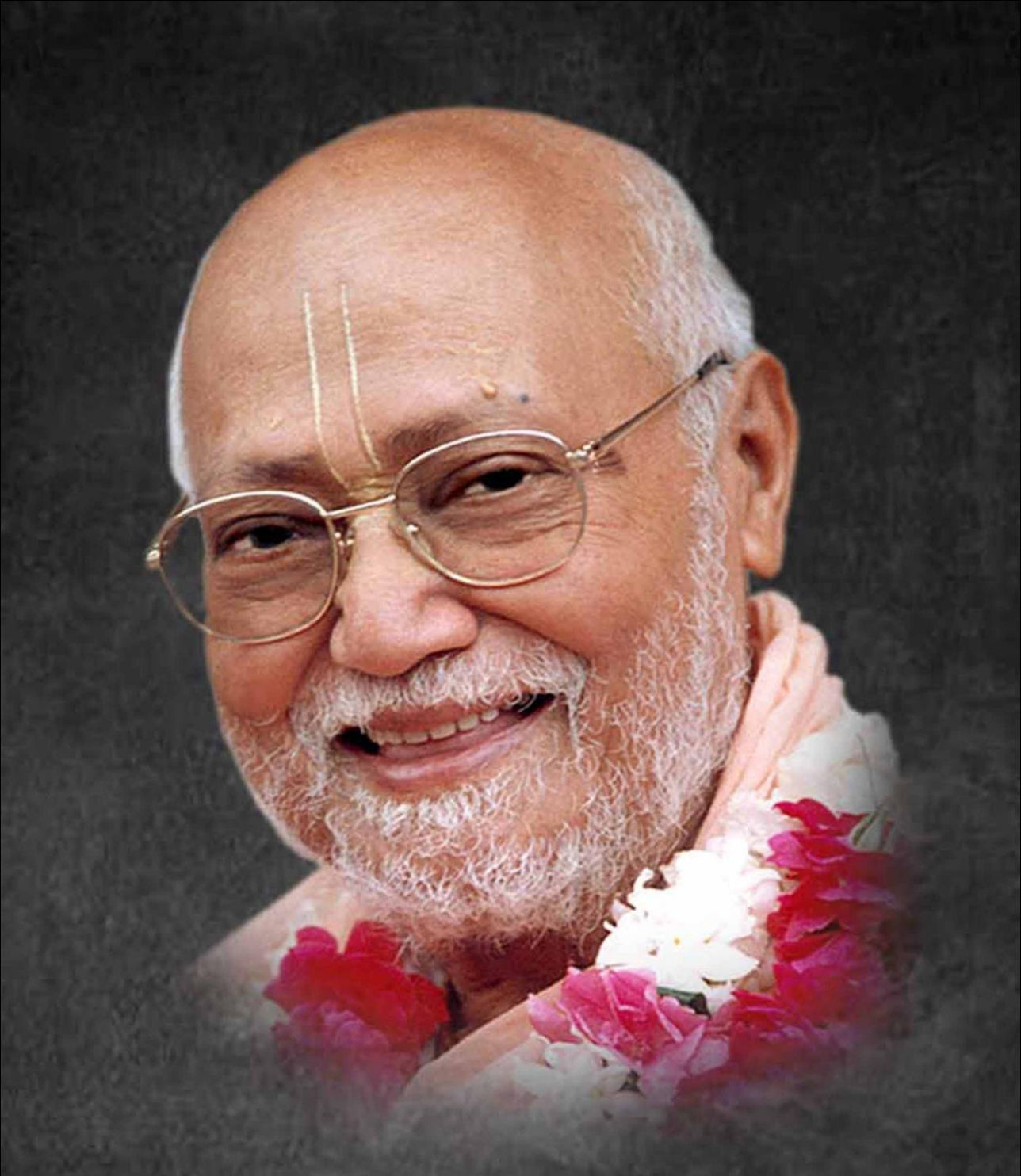

निखिल भारत श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ
प्रतिष्ठान के प्रतिष्ठाता,
नित्यलीला प्रविष्ट ॐ 108
श्री श्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज विष्णुपाद जी के
प्रियतम शिष्य, त्रिदण्डिस्वामी
श्रीमद् भक्तिबल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज
जी द्वारा सम्पादित

SGD

तृतीय खण्ड

भाग – 2

श्रीधाम वृन्दावन स्थित श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ में श्रील गुरुदेव एवं पंजाब के गवर्नर द्वारा कृष्णलीला प्रदर्शनी के द्वार का उद्घाटन

श्रीश्रीगुरु- गौरांगौ जयतः

14 अगस्त 1973 वृहस्पतिवार, श्रीधाम वृन्दावन में स्थित श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ में कोलकाता के सेठ श्रीराधाकृष्ण चामारिया जी ने बिजली से चलने वाली मूर्त्तियों की सहायता से चित्त को आकर्षित करने वाली अद्भुत श्रीकृष्णलीला की प्रदर्शनी की व्यवस्था की थी। शाम के 7 बजे पंजाब के महामान्य राज्यपाल, श्री महेन्द्रमोहन चौधरी जी ने प्रदर्शनी के द्वार का उद्घाटन किया। विशाल

अनुष्ठान में मथुरा के डिप्टी मैजिस्ट्रेट, एस. पी., डी. एस. पी., जिला व सैशन जज आदि बहुत से विशिष्ट व्यक्ति भी उपस्थित थे। एकत्रित भीड़ को नियन्त्रण करने के लिये पुलिस को भी लगाना पड़ा था।

श्रील गुरुदेव जी ने उनके स्वागत अभिभाषण में कहा- "पंजाब के राज्यपाल, श्री महेन्द्रमोहन चौधरी महाशय हमारे सुपरिचित और मठ के शुभ-चिन्तक हैं। आसाम के मन्त्रीपद और मुख्यमन्त्री पद पर रहते हुए भी वे

हमारे बुलाने पर दो बार गोहाटी-मठ के सम्मेलन में आये और वहाँ आकर इन्होंने हमें उत्साह प्रदान किया था। इनकी भाँति एक प्रतिष्ठावान सुयोग्य व्यक्ति की धर्म के विषय में रुचि देखकर हम उल्लसित हुये हैं। वे पंजाब के राज्यपाल के पद पर अधिष्ठित हुए हैं, इस संवाद को सुनते ही हमने उल्लसित होकर उनको सादर निमन्त्रण दिया जिसे इन्होंने स्नेहपरवश होकर स्वीकार किया और इतना कष्ट करके यहाँ पधारे हैं, इसके लिए हम सभी उनके निकट आन्तरिक कृतज्ञ हैं। पंजाब

और हरियाणा की राजधानी चण्डीगढ़ में हमारा एक शाखा मठ है| आशा करते हैं कि वे हमारे इस शाखा मठ के प्रति भी सहानुभूति सम्पन्न होंगे तथा सभी सेवकों को भी प्रोत्साहित करेंगे।”

श्रीलगुरुदेव